कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788.2211688, फैक्स नं. 0788.2212030
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 22.10.2016

प्रेस विज्ञप्ति

साइंस कालेज दुर्ग में डीएसटी का इंस्पायर प्रोग्राम उद्घाटित

समय के अनुरूप चुनौतियों को स्वीकारना ही जीवन का मूलमंत्र – श्री शेखर दत्त

विद्यार्थियों को समय के अनुरूप चुनौतियों को स्वीकारना होगा। यही जीवन में सफलता का मूल आधार है ये उद्गार छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल श्री शेखर दत्त ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में व्यक्त किये। श्री शेखर दत्त आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित डीएसटी इन्स्पायर प्रोग्राम में के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बड़ी संख्या में उपस्थित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के ग्यारहवीं कक्षा के विज्ञान संकाय के नियमित विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। श्री दत्त ने विद्यार्थियों से कहा कि हमें उन महान भारतीयों का सदैव स्मरण करना चाहिये जिन्होंने हमें मानवता का पाठ पढ़ाया। श्री दत्त के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी में वह क्षमता मौजूद है जिससे वह भी एक महान व्यक्ति बन सकता है। विद्य ार्थियों के विकास हेतु आसपास के वातावरण को प्रेरणादायी बनाने पर श्री शेखर दत्त ने बल दिया। प्रतिस्पर्धा एवं तेजी से परिवर्तनशील युग में केवल मेहनत एवं लगन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। श्री दत्त ने कहा कि प्रकृति हमारी सबसे बड़ी शिक्षक है हमें प्रकृति से बहुत सारी चीजें सीखने का प्रयास करना चाहिए। श्री शेखर दत्त ने विद्यार्थियों से जांजगीर चांपा जिले के एक शालेय छात्र रोहित भारद्वाज के नासा ने चयन की जानकारी देते हुए कहा कि हमारा हर सार्थक प्रयास हमें सफलता के शिखर पर पहुंचा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दुर्ग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. दीक्षित ने इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी हर जिज्ञासा एवं उसको शांत करने का प्रयास एक नये अविष्कार को जन्म देता है। डॉ. दीक्षित ने ग्रीक कथा के माध्यम से उपस्थित विद्यार्थियों को हवाई जहाज के आविष्कार संबंधी राईट बंधुओं के प्रयास की रोचक जानकारी दी। डॉ. दीक्षित ने हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाईयों को चुनौती के रूप में स्वीकार करने की बच्चों को समझाईश देते हुए कहा कि हर समस्या का समाधान एक नई अवधारणा को जन्म देता है। डॉ. दीक्षित ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को सदैव सजग रहकर प्रश्न पूछना चाहिए।

इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में तामस्कर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार राजपूत ने इस्पायर प्रोग्राम को महाविद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय करार दिया। डॉ. राजपूत ने उपस्थित विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे केन्द्र सरकार के डीएसटी द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का भरपूर लाभ उठायें। डॉ. राजपूत ने इंस्पायर प्रोग्राम के दौरान आयोजित होने वाले विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी भी दी। डॉ. राजपूत ने डीएसटी इंस्पायर प्रोग्राम में भाग लेने वाले उत्कृष्ट एवं चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त होने की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम के संचालक डॉ. जय प्रकाश साव ने इंस्पायर प्रोग्राम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागियों के टेस्ट परीक्षा, निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित होगी तथा श्रेष्ठ प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। डॉ. साव ने इंस्पायर प्रोग्राम की अवधारणा एवं विद्यार्थियों के जीवन पर प्रभाव पर विस्तृत प्रकाश डाला।

डीएसटी इंस्पायर प्रोग्राम के सहायक समन्वयक डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अजय सिंह तथा डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि रविवार की दोपहर प्रतिभागियों को विज्ञान के नये प्रयोगों तथा अन्य नवीनतम जानकारी प्रदान करने हेतु रायपुर स्थित साइंस सेंटर का भ्रमण कराया जायेगा। इसके अलावा प्रथम दिन इन प्रतिभागियों के रक्त समूह परीक्षण, नेत्र परीक्षण तथा सिकल सेल एनीमिया की भी जांच होगी।

अतिथियों के आगमन पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पंथी नृत्य के माध्यम से माल्यार्पण कर स्वागत किया। विद्यार्थियों द्वारा किए गए इस अभूतपूर्व स्वागत की सभी ने प्रशंसा की। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान के साथ आरंभ हुए इस इंस्पायर प्रोग्राम में अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत प्राचार्य डॉ. राजपूत, डॉ. शीला अग्रवाल, डॉ. एमए सिद्दीकी, मुख्य लिपिक श्री राधे लाल यादव महाविद्यालय तथा दुर्ग विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष दुष्यंत साहू, छात्रसंघ सचिव अमृता रॉय ने किया। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत करने वालों में कु. खुशबू, कु. कीर्ति बापट, कु. वर्षा वर्मा, नागेन्द्र वर्मा शामिल थे। प्राचार्य डॉ. राजपूत ने अतिथियों को बस्तर की धातुकला पर केन्द्रित स्मृति चिन्ह में भेंट किये। इस अवसर पर डीएसटी इंस्पायर प्रोग्राम से संबंधित स्मारिका का विमोचन भी अतिथियों ने किया। अंत में सहायक समन्वयक डॉ. अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। आज समारोह के प्रथम दिन दो तकनीकी व्याख्यान सत्र आयोजित हुए जिसमें आईआईटी खड़गपुर प्रोफेसर सोमेश कुमार ने अंकों की दुनिया की विशेषताओं तथा प्रोबेबिलिटी पर आधारित रोचक व्याख्यान दिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ. सोमेश कुमार ने अंकों के महत्व तथा उससे जुड़े अनेक पहलुओं का सफल चित्रण किया। दूसरे आमंत्रित व्याख्यान में इंस्ट्यिूट ऑफ साइंस, मुंबई के प्रोफेसर विजय मेंदुलकर ने पौधों के सेल के विषय में बताते हुए कहा कि ये प्राकृतिक जैविकी रूप से सक्रिय अवयव होते हैं। प्रो. मेंदुलकर ने प्लांट सेल के महत्व तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुप्रयोग की सारगर्भित जानकारी दी। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने एक अनौपचारिक चर्चा में डीएसटी इंस्पायर प्रोग्राम में आज हुए व्याख्यानों को अत्यंत लाभप्रद बताया। आज इस इंस्पायर प्रोग्राम में सरगुजा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. सुनील वर्मा तथा सुन्दर लाल वर्मा बिलासपुर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अवध राम चन्द्राकर एवं स्वामी रामकृष्ण मिशन आश्रम बागीचा के प्रमुख स्वामी ज्योर्तिमयानंद, एसडीएम दुर्ग श्री ए.के. वाजपेयी, श्रीमती रक्षा राजपूत आदि उपस्थित थे।

शाम को जिला अस्पताल दुर्ग के सहयोग से आयोजित प्रतिभागियों के रक्तसमूह परीक्षण, नेत्र परीक्षण तथा सिकल सेल एनीमिया के परीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इनसे जुड़े पहलुओं व सावधानी बरतने की जानकारी प्राप्त की। आयोजकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कल 23 अक्टूबर को प्रातः कालीन सत्र में शारदा विश्वविद्यालय ग्रेटर नोयडा के डॉ. एन.बी.सिंह का नैनो साइंस पर केन्द्रित व्याख्यान होगा। द्वितीय आमंत्रित व्याख्यान में गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद के डॉ. किशोर चिखालिया जैव रसायन के नवीनतम आयामों पर जानकारी देगें। दोपहर के सत्र में प्रतिभागियों को रायपुर स्थित साइंस सेंटर का भ्रमण कराया जायेगा।

<u>प्रति,</u>

संपादक/ब्यूरो चीफ

दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कश्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

INSPIRE INTERNSHIP AUTUMN CAMP
22-26 OCTOBER, 2016
inspire
GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG
Reaccredited 'A' grade by NAAC
Sponsored by
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY,
GOVT. OF INDIA, NEW DELHI

INSPIRE INTERNSHIP AUTUMN CAMP
22-26 OCTOBER, 2016

सूर श्रृंगार दुर्ग

INSPIRE INTERNSHIP AUTUMN CAMP
22-26 OCTOBER, 2016
inspire